



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ302384	ImageGroup:	I4CZ302499
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གནམས་ལྷགས་ཐོར་བའི་སྤྱད་པའི་ལག་ལེན་སྒྲ་རྒྱུ་མེ་ཏོག་སོགས། gnams lcags zor ba'i spyad pa'i lag len sna rgyan me tog sogs/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

७॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

٤٩١

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

124

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

211

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

五

प्रायः प्रो. प्रा. प्रा. प्रा. प्रा. प्रा.

श्रीशिवजी (संस्कृत)

मनीषी (११५०)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2019

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ (वि) ब्रह्मविद्या (वि) ब्रह्मविद्या (वि) ब्रह्मविद्या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ਭਗਤ ਪ੍ਰਸਾਦੀ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੇ ਹੁਕਮ ਅਨੁਸਾਰ ਵਲੈਤ ਵਿਖੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਸਿੱਖਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ

ಪ್ರಗಾಠೋಪಪ್ರಸಾಧ

५५५

מחנה

केलिकनग्रायैयेवभ्रविम्विनो

[illegible]

।। नमो भगवते वासुदेवाय ।।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ਸ੍ਰੀ ੧੦ ਅੰਕ ੧੦

कमलकेतुपुत्रपुत्रपुत्रपुत्र

॥ इति ब्रह्मसूत्रसंनिधौ श्रीमद्भगवत्पराशर्योक्तं ॥

ॐ

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਪੰਜਾਬੀ ਲਿਖਤਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ पञ्चमस्कन्धः ॥ पञ्चांगिरा उवाच ॥
 द्रष्टुं शक्नुमि त्वत्पदं ध्यातुं च ॥
 यत्किंचित् कुरुष्व मे सुप्रसन्नचित्तवान् ॥
 इति पञ्चमस्कन्धो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

॥ पुणः पृथगुक्तं ॥ १॥ पुणः पृथगुक्तं ॥ पुणः पृथगुक्तं ॥ पुणः पृथगुक्तं ॥ पुणः पृथगुक्तं ॥ पुणः पृथगुक्तं ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ਪ੍ਰਾ. ਪ੍ਰ. ਵਿ. ਸੁ. ੬੫੪।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ^{१०८} ^{१०९} ^{११०} ^{१११} ^{११२} ^{११३} ^{११४} ^{११५} ^{११६} ^{११७} ^{११८} ^{११९} ^{१२०} ^{१२१} ^{१२२} ^{१२३} ^{१२४} ^{१२५} ^{१२६} ^{१२७} ^{१२८} ^{१२९} ^{१३०} ^{१३१} ^{१३२} ^{१३३} ^{१३४} ^{१३५} ^{१३६} ^{१३७} ^{१३८} ^{१३९} ^{१४०} ^{१४१} ^{१४२} ^{१४३} ^{१४४} ^{१४५} ^{१४६} ^{१४७} ^{१४८} ^{१४९} ^{१५०} ^{१५१} ^{१५२} ^{१५३} ^{१५४} ^{१५५} ^{१५६} ^{१५७} ^{१५८} ^{१५९} ^{१६०} ^{१६१} ^{१६२} ^{१६३} ^{१६४} ^{१६५} ^{१६६} ^{१६७} ^{१६८} ^{१६९} ^{१७०} ^{१७१} ^{१७२} ^{१७३} ^{१७४} ^{१७५} ^{१७६} ^{१७७} ^{१७८} ^{१७९} ^{१८०} ^{१८१} ^{१८२} ^{१८३} ^{१८४} ^{१८५} ^{१८६} ^{१८७} ^{१८८} ^{१८९} ^{१९०} ^{१९१} ^{१९२} ^{१९३} ^{१९४} ^{१९५} ^{१९६} ^{१९७} ^{१९८} ^{१९९} ^{२००} ^{२०१} ^{२०२} ^{२०३} ^{२०४} ^{२०५} ^{२०६} ^{२०७} ^{२०८} ^{२०९} ^{२१०} ^{२११} ^{२१२} ^{२१३} ^{२१४} ^{२१५} ^{२१६} ^{२१७} ^{२१८} ^{२१९} ^{२२०} ^{२२१} ^{२२२} ^{२२३} ^{२२४} ^{२२५} ^{२२६} ^{२२७} ^{२२८} ^{२२९} ^{२३०} ^{२३१} ^{२३२} ^{२३३} ^{२३४} ^{२३५} ^{२३६} ^{२३७} ^{२३८} ^{२३९} ^{२४०} ^{२४१} ^{२४२} ^{२४३} ^{२४४} ^{२४५} ^{२४६} ^{२४७} ^{२४८} ^{२४९} ^{२५०} ^{२५१} ^{२५२} ^{२५३} ^{२५४} ^{२५५} ^{२५६} ^{२५७} ^{२५८} ^{२५९} ^{२६०} ^{२६१} ^{२६२} ^{२६३} ^{२६४} ^{२६५} ^{२६६} ^{२६७} ^{२६८} ^{२६९} ^{२७०} ^{२७१} ^{२७२} ^{२७३} ^{२७४} ^{२७५} ^{२७६} ^{२७७} ^{२७८} ^{२७९} ^{२८०} ^{२८१} ^{२८२} ^{२८३} ^{२८४} ^{२८५} ^{२८६} ^{२८७} ^{२८८} ^{२८९} ^{२९०} ^{२९१} ^{२९२} ^{२९३} ^{२९४} ^{२९५} ^{२९६} ^{२९७} ^{२९८} ^{२९९} ^{३००} ^{३०१} ^{३०२} ^{३०३} ^{३०४} ^{३०५} ^{३०६} ^{३०७} ^{३०८} ^{३०९} ^{३१०} ^{३११} ^{३१२} ^{३१३} ^{३१४} ^{३१५} ^{३१६} ^{३१७} ^{३१८} ^{३१९} ^{३२०} ^{३२१} ^{३२२} ^{३२३} ^{३२४} ^{३२५} ^{३२६} ^{३२७} ^{३२८} ^{३२९} ^{३३०} ^{३३१} ^{३३२} ^{३३३} ^{३३४} ^{३३५} ^{३३६} ^{३३७} ^{३३८} ^{३३९} ^{३४०} ^{३४१} ^{३४२} ^{३४३} ^{३४४} ^{३४५} ^{३४६} ^{३४७} ^{३४८} ^{३४९} ^{३५०} ^{३५१} ^{३५२} ^{३५३} ^{३५४} ^{३५५} ^{३५६} ^{३५७} ^{३५८} ^{३५९} ^{३६०} ^{३६१} ^{३६२} ^{३६३} ^{३६४} ^{३६५} ^{३६६} ^{३६७} ^{३६८} ^{३६९} ^{३७०} ^{३७१} ^{३७२} ^{३७३} ^{३७४} ^{३७५} ^{३७६} ^{३७७} ^{३७८} ^{३७९} ^{३८०} ^{३८१} ^{३८२} ^{३८३} ^{३८४} ^{३८५} ^{३८६} ^{३८७} ^{३८८} ^{३८९} ^{३९०} ^{३९१} ^{३९२} ^{३९३} ^{३९४} ^{३९५} ^{३९६} ^{३९७} ^{३९८} ^{३९९} ^{४००} ^{४०१} ^{४०२} ^{४०३} ^{४०४} ^{४०५} ^{४०६} ^{४०७} ^{४०८} ^{४०९} ^{४१०} ^{४११} ^{४१२} ^{४१३} ^{४१४} ^{४१५} ^{४१६} ^{४१७} ^{४१८} ^{४१९} ^{४२०} ^{४२१} ^{४२२} ^{४२३} ^{४२४} ^{४२५} ^{४२६} ^{४२७} ^{४२८} ^{४२९} ^{४३०} ^{४३१} ^{४३२} ^{४३३} ^{४३४} ^{४३५} ^{४३६} ^{४३७} ^{४३८} ^{४३९} ^{४४०} ^{४४१} ^{४४२} ^{४४३} ^{४४४}

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७५

